

DPN 6005

Title : हितोपदेश नीतिसार HITOPADEŚA NĪTI SĀRA

Run. No. 6696

Cat. No.

Micro. No.

Subject नीति Didactic

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 25.5 x 7.5

Folios 1-68 Lines (in a page) 6
missing 1st folio

नेपालभाषां ऊर्वा हिन्दि मूल पत्र
Sanskrit text with new
meaning

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

प्रशुपतिमान पःमाय

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Prasūpatiman Pahmāya

Script : New. / Dev. / Bhuji. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thiyasaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

7

इति हितोपदेश नीतिसार निरुक्त नाम प्रथम पीठे समाप्त ॥
शुभं भवतु ॥ ॥

विंशत्ययनाल ॥ ० ॥ सुवदव्यविद्योदयवामाकचनरुमंशासायसादनयत्यायकयलासर्वेदा ॥ समस्तया
 सिनंविद्याभयाधनडरुमनयानंभवनलासंरुयमद ॥ ॥ रागमयगिविद्योदयनिगायिनवसविनसमूहमिवद
 दृष्टीनृयसाभामयव ॥ ॥ विद्यानकुसादविद्यायगियरुयसुद्यादासायवृद्धत्वदिनीयायीयनसदा ॥ वाय
 त्ववैराज नलस ॥ सखायोनानाधरुवैरु कथाक लेनवालानां नीतीरुदिरु कथनं ॥ ॥ गद्यनडकारुनिवाभा
 जनयादखलेसदकसुथीसाकमरुवक्रमनयाविद्यायाजनरुवधुमिनमुखकवाचकनीगिसयकमिमिमिनानाक
 धासंरुहनया ॥ निमिजिनकाय ॥ ॥ मिठलारुसुद्धरुद ॥ विद्यारुःसधिवेदव ॥ ॥ य ॥ ककु रुथानासा ॥

कानेन वक्रयाति मा चक्रुः ॥ ४ ॥ यि उय वयहू लं ॥ ॥ ना जासी गथ विमुचय वधाय सा काय जाय लया वरु काय
 याय यदु क्रम रु ल दा व धर्म क मे रु ल द्य व म नो थं धाल मा नो यो कान या नू ग उ द या व द्या य मि खा नो क य सी
 क या धं ॥ ५ ॥ म ख द ध र्क ॥ ॥ किं वा म जा नो य न जा नं न जा नि वं स म न नि रा य नि व र्क नि र्म सा नो म रु ४ को
 यान जा य नं ॥ ॥ थ थ द न र्क जा य न य द वा व जा न रु व धाय म य थ व रं स ध र्क द न वि द्या म स व दा व म नु
 मा रु न रु य यो ऊ न सि य वृ य रु व स नं य वि व र्क र्म सा ल स स म रु स सा व जा य न य धाय वि द्या र्क रु थ का ध र्क
 ॥ ० ॥ ॥ म न्य र्ग नि ग म र्ग रं य र्क नि न क थि नी स र्म रु मा य सा नं न म्वा य दि स र्म र्म नी च द व धा रु द णी रु व नि ॥ ॥

३

अ य रं च ॥ य र्म नो थं क र्म य न क य ॥ का य नि द रु रं ॥ क स य र्म न व लू द ध ॥ स म द्वा धा र्मि क ॥ म धि ॥ ० ॥ स ना
 नी रु थ रु म स य र्म नो थ दि व व य व या क व द्वा य व न स थ व द सा स व न र्क स य धा र्मि क या द न य रु जा य म
 रु व ध र्क ॥ ॥ क थ र्क ॥ ॥ म थ ग मा नि ह म र्गि का व यि या व रु थो य य वा दि नी न ॥ व ध य र्म नो थ र्क वि
 र वि द्या य र्मि व लो क स ख ण नि ना नि ॥ ॥ नी कि स द्वा स र्ग या ध न र्क रु य र्म र्म नि र्गि रु य म रु दा र्मि न ध म
 य क न रु व रु य थ व व सा स व द य रु थ र्ग वि द्या न र्म र्क या द य रु थ र्म न र्म सा व या स र्म र्क ॥ ० ॥ ॥ क र्क
 थ म दा नि र्म र्म म य र्ग ग न व रु ॥ की य र्म ॥ ० ॥ ॥ ध र्मि न का य र्मि र्ग थ नी वि द्या रु म य र्क र्क ना जा स

नविद्वययनं॥ ॥यथैव नमः॥ आयुः कर्मैव विकर्तुं के विद्यानिधे नमः वयं यथैव नमः यथैव नमः॥
 सोवदं दिन॥ ॥गद्यध्वजसाधु नमः॥ यथैव नमः॥ यथैव नमः॥ यथैव नमः॥ यथैव नमः॥
 ॥नमः॥ यथैव नमः॥ यथैव नमः॥ यथैव नमः॥ यथैव नमः॥ यथैव नमः॥
 ॥यथैव नमः॥ यथैव नमः॥ यथैव नमः॥ यथैव नमः॥ यथैव नमः॥ यथैव नमः॥
 ॥यथैव नमः॥ यथैव नमः॥ यथैव नमः॥ यथैव नमः॥ यथैव नमः॥ यथैव नमः॥
 ॥यथैव नमः॥ यथैव नमः॥ यथैव नमः॥ यथैव नमः॥ यथैव नमः॥ यथैव नमः॥

॥ द्वा ३

यथा सत्यं नमः॥ यथा सत्यं नमः॥ यथा सत्यं नमः॥ यथा सत्यं नमः॥ यथा सत्यं नमः॥
 यथा सत्यं नमः॥ यथा सत्यं नमः॥ यथा सत्यं नमः॥ यथा सत्यं नमः॥ यथा सत्यं नमः॥
 यथा सत्यं नमः॥ यथा सत्यं नमः॥ यथा सत्यं नमः॥ यथा सत्यं नमः॥ यथा सत्यं नमः॥
 यथा सत्यं नमः॥ यथा सत्यं नमः॥ यथा सत्यं नमः॥ यथा सत्यं नमः॥ यथा सत्यं नमः॥
 यथा सत्यं नमः॥ यथा सत्यं नमः॥ यथा सत्यं नमः॥ यथा सत्यं नमः॥ यथा सत्यं नमः॥
 यथा सत्यं नमः॥ यथा सत्यं नमः॥ यथा सत्यं नमः॥ यथा सत्यं नमः॥ यथा सत्यं नमः॥

ललनें मनें व॥ ॥ काकना ॥ लीनययाक रुदमु यिनिधिमयुक्तः नसयं देवमादरे यद्वार्थमयाकने ॥
 ॥ काकना नमसधनमं याक रुसं पवद्वने कोठ रुनमने देवननाधर्क कासीमविद धमयद्वार्थ रुसं कायमा
 ल ॥ ॥ यथा मुनिषु कः कर्को कवने यद्यदि रुमि ॥ नवमात्मकने कर्म मानव ह्युक्ति यदने ॥ ॥ यथा कदा
 लनवावउजान मानावमुक धमयया यदार्थ दयकार्थ धल धर्मनयान धन ज्ञानान यादाक मया दीनरु
 वनने ॥ ॥ यथा वीके ॥ मानावे वि यिनालक यालाया मनयधि नक्षत्रा रने सरामध्या रुसमध्ववकी यथा
 ॥ ॥ सामवे विद्या न वृक्षक याद न धयनि सान हादा ववनमद सी वानक सक्षामु अया समयापिव रुनी

धद्रु दे स गनस वां हो ल धर्म सराम असा रु रुने ॥ ॥ ययो वनमं यत्र विष्णु लकल सरु वा विद्या दी
 नान ह्यरुके निगधा ०० वीके शुका ॥ ॥ यवक याद न यो वननमं यत्र याद न रिट कल सजा यलय रि
 धरु ल विद्या म स वना व अक्षरु रु ले साय रु करि ट वा सना मद्र किं शु क स्या न धर्म ॥ ॥ यत्र वि नयित्वा
 सजा ययुी रु स रु का विव वान ॥ ॥ धय का वन धना जा सी न विर यया व यधु रु मन के सरा या द विद्या न
 ॥ रो रो यधु क धरु यमी ॥ अस्ति केषु देव रुके ॥ ॥ वाजा सान सराम यद्वि नली क अरु विव वि विरु स सी द
 रु रु स व स न दे रु ने धर्के ॥ ॥ कयानी म मयु रानी नीमि म मागी गामिनी नीमि शा य द हान यन रु मं क

निष्पत्तिः॥ ॥नाजासं नआह्लादयकर्वैः ऊं काययनिस्सद्यं निमिमसवडआदआह्ला॥ ऊं सुलस्यननी
 निष्पत्तिः॥ मुडयदं विस्मयनउमयायकदाधकै॥ ॥यमः॥ कावः काकनसंसर्गवर्तमानकनिद्रुर्गैरथ
 सत्सनिधनं नसर्गो यात्रियवीनगां॥ ॥गधधवसाखालवमुकव लवमुकवसं गननवदावमवका
 गआदिनं नक्षत्राणैः ऊं धं न धलधं सत्यनयव यं धिगववचनाव मय्युहलसर्गं हानिद्रुय॥ ॥उक
 क॥ दीयनं दीनमगिआवर्तनं सरु समागमान समेषु समगामे निविधिषु विविधियुक्तिः॥ ॥गधधवसा
 दिनकववलसा दिनकयव यधुकिववलसा समवेतिरुयव यधुगववलसा यधुगयव॥ ॥अ

काकवैविस्मयमानामहायधुगः सकलनीनीष्पत्तिः॥ ॥गधधवसाखालवमुकव लवमुकवसं गननवदावमवका
 नआह्लादयकादं दाव विस्मयनउमयायकदाधकै॥ ॥यमः॥ कावः काकनसंसर्गवर्तमानकनिद्रुर्गैरथ
 कलसिव धय नआह्लादयकर्वैः॥ ॥देवकलसकटा उर्गं नाजायका निमिमसवडआदआह्ला॥ ऊं सुलस्यननी
 नोनाजासु सुलयावयार्थिं निसीलकलसजायलय धवाऊयययनि नीनिमिसयकैजिवक
 सयकधकै॥ ॥यमः॥ नीडयनिदिताकाविद्रु कियारुलवगीरुवैरु॥ नवायायं ननायिष्ठक
 वत्यथनैवक॥ ॥धननययोगयादननानायकालनसयकैमदधकै॥ यवकीयायहमदयकै॥

अने कठगठि यकालन सनसन रुडनरद्वायार्थं वाहालनखद्धायमरुवधकं ॥ अनेच ॥
 अस्मिन्दीनिर्मोलेगां स्वयत्तमयिजायने आकारे यद्यवागानी ऊत्माकाचमनेकय ॥ २७ लया
 लयार्थिद निर्मोलेकलसवाजावसजायलय २७ लयालयायुयनि गानथायस यद्यवागमनि याखामस
 खालजायनयर्थं सैरुवमदुर्थं २७ लयालयायुयनि धत्वर्थं निवकयमरुवधकं ॥ अनेच ॥
 अनेचन कवयगात्रीकेगाहयिगुं सकस्मि ॥ धर्मिन यवानद्धा २७ लयालयायुयनि निमिसय
 केरुयदधकं ॥ गाजासविनयंयनः सर्वग्रनरुवाव ॥ गाजार्भनविमलयं द्वासीविद्धावाव

विष्णुसमाख्येनायन॥ ॥ किं नयिस्मनः सकदा नो दृगिषताक्षि नः ॥ अस्यायि यायिदं वलं महिः सः ॥
यमिष्टि कः ॥ अत्र च यथा दयमि विडुं न वि संगानदि यानं ॥ तथा सत्सन्नि कय मही नवधु यि दी यानं ॥ ॥
नाथ डदयमि वि सथा द नाना व मु क स मरुं ॥ स ये यानं अन स मरुं नें क व क रु व ध को थं स य व व सं गान
वानना व ही न जा मि रु व स नें ॥ नें क व क रु य व ॥ ॥ नें दं यं म स लू का भ म य व रं ॥ धू ना रु व कः ॥ य मा ना ॥
मि लू का क स वि स स म गः स व दू मा न य व ॥ स र्व ना ड य ता म म र्थ या मा स ॥ ॥ ध नें न रु व थो ल स न
मि यू क य नि वि द्या स य के माल ध र्क नि मि षा मु स य के माल ध र्क ध य का ल न ला जा स न वि षू स मा गी ता ना मा

नयाटनं नानावस्तु कविर्न नाजयतु यनि नवह्वयं ॥ अथ यासादय सुखाय विष्णुर्न नाजयतु
 भगवतः सवकाभन सवगुणोऽवीना ॥ ॥ धर्मलित्थोऽहं मध्याय गुरु खण्डवदाव सुखा सनं यादा
 वयोदाव धयसु वसवि सुसमासु न नाजयतु यनि सद्ध वने य सुवदिक र्यं आह्लादय कर्तुं ॥ ॥ काव्य
 सुविनोदं न काव्यं गुरु निधी मता वा सनं ननु मुखो नो निदुया क वदं नवा ॥ ॥ काव्य सु आदिने
 नानाधु सुसमासाद नं सनं सवह्लादिमादा मानं कालहनि वसुखं मनः सनं वासन सवंगुणं का
 नहनि व ॥ नलाययव मि सावादरु विनययु वल्ल कवि वद धयनि आन कालहनीव ॥ ॥ गुरु वनीवि

नादाय विविगुं काक कर्मादिनां कथं कथयामि ॥ ॥ सुसमासाद नं नाजयतु यनि आह्लादय विनं धुनि न
 रु सु वसं न विरु क सो वसनं न सा अगि अय वसं को सया काय ले या ख डि न ह्ला य धर्कं ॥ ॥
 नाजयतु वरुं ॥ कथं गी गुरु नम ॥ ॥ नाजयतु यनि स आह्लादय कर्तुं ह्लाद नं न धर्कं ॥ ॥ संयति
 मीठलारु य सुयं न य स्याय मा द ह्ला क ॥ ॥ वि सु सु मो स्यं न आह्लादय कलः मिठलारु या र्व ह्ला य
 दं न धर्कं ह्यो मिठलारु या आदि ह्ला क थु गि धर्कं ॥ ॥ असा धना विरु दी ना वरु मिठलारु
 रि मा साधय न्ना सु कार्ये नि काक कर्मा सु गुरु व ॥ ॥ ह्या धनं द्वा वयो ले मदा दुःखं याद

श्रीलं० अष्टं क० हिमवृद्धि वक्तुं सद्दय यथा दा व० उते मकार्ये साधनं यं कोख कायले वलाङ्गु थयं द्र०
 सखधर्क॥ ॥ वाऊयुक्त उव॥ क० थमन० ॥ ॥ वाऊयुक्त यनिमान० जमी खगथधर्क० धाव॥ ॥
 विष्णु सभो दाव॥ ॥ विष्णु सभो सौ जाहा दय कव० ॥ ॥ अस्ति ग्ना दा वनिनि० विष्णु लः ॥ अली न०
 ॥ ॥ गाहि० नं थाय स० ग्ना दा वली या गिल स० ना हा क० ॥ अली सि मा र० मा द या द यो द॥ ॥ क० नाना
 दिगु सा दा वा ना० वा नी य कि नी नि व स कि॥ ॥ ध० सि मा स० नाना दि गान० द० धी क० व हि वा व० व व य कि य नि
 वा गि सु व स व यं वा ले॥ ॥ अथ क० दा वि दे व स ता यो० न० ऊ० यो व व मा व ल० व० व ले० वि नि रु वा व कि० क० म० दि०

नीनायकं चतुर्मासि लघुयुगनकी नाम वायसः यवद्वैः कुनात्मिवदिभीर्यं यागद्वैतं वाधमयध्वजः ॥
 धनैर्लिवलुङ्गयायस्य वधवलद्विः रुगवज्जकमदिनीनायकं चतुर्मासि लघुयुगनकी नाम वायसः यवद्वैः कुनात्मिवदिभीर्यं यागद्वैतं वाधमयध्वजः ॥
 द्वाले लघुयुगनकी नाम वायसः यवद्वैः कुनात्मिवदिभीर्यं यागद्वैतं वाधमयध्वजः ॥
 रुदाव वधवलसर्न ॥ ॥ अद्यवयागवैवागि र्द्वैतं न जानकी मनिर्द्वैतं यिगानि ॥ ॥ अद्यवयागवैवागि र्द्वैतं न जानकी मनिर्द्वैतं यिगानि ॥
 नृसवनकमेन वायसः यवद्वैः कुनात्मिवदिभीर्यं यागद्वैतं वाधमयध्वजः ॥ ॥ अद्यवयागवैवागि र्द्वैतं न जानकी मनिर्द्वैतं यिगानि ॥ ॥ अद्यवयागवैवागि र्द्वैतं न जानकी मनिर्द्वैतं यिगानि ॥
 वविकवयलं धनियशाक कालसः ॥ अद्यवयागवैवागि र्द्वैतं न जानकी मनिर्द्वैतं यिगानि ॥ ॥ अद्यवयागवैवागि र्द्वैतं न जानकी मनिर्द्वैतं यिगानि ॥

वल्लिखसययादवर्न॥ ॥मकसुनसदयानि,रुयसुनननानिचदिदहमरुमाविहनिनय
 धिग॥ ॥अनेव॥विषयिनामिदंमवस्यंकनवी॥डरुयाययथेद्वीमरुहयमयसिनेमवर्नया
 धिगकानाकिंमद्यनियमिथानि॥ ॥मरुवर्ननवाधुन,गधुलकनानवकीयाजालंविहीतु॥ १०
 धलंलिथीधसववन,रुवर्नयोकिहोलावजावयादगयायागुरु॥ ॥मस्मिन्नवावसर्नविर्गग
 वनामकयमवाजाक्षसयविवावाविधति,विसर्गगदलकनानवकीयायास॥ ॥धुधुवाकैहोला
 वगयाखदाववलखनियनिसवीरुवदवजाववनरुनिनवलखनियनिसकयैहोर्न॥ ॥कने

वानिर्केनेकधुलकनानांसरुव॥ ॥धार्थिंठनिर्केनथायसमनवायानाममदले,योकिदय
 सरुवमदधर्क॥ ॥नेनित्रयामांतावनरुदुंयधामि,यायनानेन,गधुलकनालोर्ननास्रि
 वयिगथारुविगवा॥ ॥धुधुकिनित्रयमयासा,रि,रि,रुवर्नमर्नदधर्क,यैवडावथान,धुधु
 किसवीरुकेनथका,रि,रि,रि,धयायलिथीरुयरुवधर्क॥ ॥ककनसाहुलोर्नन,मग्रयंकसद
 रुवै,रुद्वेवाधुनसंयाकःयठिकंसमगीयथा॥ ॥मगीथंधावसासुवर्नकैकनकैदावथि
 नलोरायवर्क,वनववमदायूरखरु,काधधुन,मग्रयंकसलवकाव,मनवाभावकाधुधर्क

॥ कथामाडवृ॥ कथमभंग॥ ॥ वनयुनि यनिमन॥ मासगथाधकं॥ देन॥ ॥ सासुवृ॥
 वी॥ ॥ साजावलसुनिनकन॥ ॥ सादभकदाददिना वमववमयधं॥ ॥ त्रियकं॥
 दकिनालनेसवलवैयैरुयावलेस॥ सावयाखकनेदं॥ धकं॥ ॥ जकोवृद्धवायः॥ सलाम॥
 कणदसुः॥ सवलीवैकनं॥ ॥ वायुदुद्धन॥ माउरुयावलादागसकणकयाव॥ यद्विनिन्यानि
 वसवीदाव॥ वनदवकटकदामं॥ ॥ सोसायानु॥ दंसुकेकनगुद्धां॥ ॥ सोकेननववम
 नवा॥ धसवृद्धकं॥ कनवियनाधकं॥ ॥ नगासाकथन॥ केनविलादना॥ लोकिनं॥ सागनैवकदयि

११

संवनि॥ ॥ पथवायुधधायारुदं॥ दावुसुचि॥ नं॥ वनववमनु॥ खनता॥ रुयाकं॥ नविनवयवं॥ त्रिरा
 मायाकं॥ धुयादसुसयी॥ दवमुकलाय॥ संरुवसधकं॥ ॥ किंत्व॥ सिनथस॥ ददयवृत्तिन
 विधि॥ ॥ थधिदधनयायवलेस॥ वनमनं॥ वसुनिशायधकं॥ ॥ यन॥ सनिमृदिमृया
 रीयु॥ नायदिआयनं॥ गुरु॥ यगादिदियसं॥ सुम्मी॥ मं॥ रुदयिमुहाव॥ ॥ किनु॥ सवेगाथैऊन
 यदुली॥ सदेदुपव॥ ॥ यथरु॥ वसमं॥ समरु॥ यकालन॥ धनलाय॥ कथिनधकं॥ ॥ गथावीकं॥
 ॥ नर्ग॥ सयमनी॥ वृद्धन॥ रदा॥ निमृति॥ रं॥ सयं॥ वनचा॥ वृद्ध॥ यदि॥ त्रिवनि॥ यमृति॥ ॥ गथाधव

15

10

7

सा. लं सयसदं मजायनमनूयानसं यदनायमदु. लं सयसदं मजायाव^{सा} सा. सयनवानिवध
 के. ॥ ॥ ननित्रययामि. मावयुका. के. ॥ ॥ थनिनजिननित्रयनि. यायधके. वि. नलयावध
 दान. ॥ ॥ कननके. के. नं. ॥ ॥ के. के. नननधके. के. न. ॥ ॥ या. द्वा. रु. स. य. ध. यो. द. श. य. नि. ॥ ॥
 या. घनला. दान. थ. द. दा. व. के. के. न. के. न. ॥ ॥ वा. घ. ड. वा. व. ॥ ॥ ध. न. ध. ल. ॥ ॥ ॐ. दानि. म. दं. ॥ ॥
 इ. त्ता. रु. ली. ली. का. मान. लि. नं. न. स. द. न. ध. क. र्थ. न. वि. श्र. म. रु. मी. ॥ ॥ अ. व. जि. न. स. द्वा. य. ऊ. म. ल. द. या. व.
 सु. वि. शि. ल. या. दा. व. दान. वि. य. या. दा. व. दा. जि. ल. मि. दा. व. दा. दा. व. थ. र्थी. वृ. द. द्वा. थ. व. ग. थ. वि. श्र.

१२

सम. क. ला. ध. के. ॥ ॥ य. न. १॥ ॐ. द्वा. ध. य. न. दानानि. न. य. १. स. र्थ. ध. नि. द. मा. १. नृ. गी. रु. ॐ. नि. मा. ध. र्थ. ध.
 म. सा. य. वि. धि. १. स. मा. ॥ ॥ ॐ. द्वा. ध. य. न. दान. न. य. स. र्थ. ध. नि. द. मा. नृ. ली. रु. थ. या. ना. ध. र्थ. या. व. द. न.
 ध. के. द्वा. स. र्थ. न. या. ध. के. ॥ ॥ न. य. य. र्थ. नृ. व. र्थ. मा. दं. र्थ. ध. म. नि. सा. य. न. ॥ ॥ नृ. य. व. नृ. व. नृ. व. र्थ. मा. म. दा. स. र्थ. न.
 य. वि. नि. ॥ ॥ म. म. र्थ. ना. वा. श्री. नृ. वि. व. ही. न. स. र्थ. रु. म. र्थ. के. के. न. म. यि. य. स. र्थ. वि. य. नृ. मि. श्र. नि. ॥ ॥ थ. नि. न.
 जि. नि. मा. नि. रु. स. र्थ. थ. व. ला. दान. म. यी. द. के. के. न. स. र्थ. या. न. रु. न. स. र्थ. न. वि. य. ॐ. द्वा. रु. र्थ. ध. के. ॥ ॥ ॐ. द्वा. रु. र्थ. ध.
 यि. म. नृ. या. नृ. या. घ. न. ध. य. र्थ. के. ली. के. न. द्वा. स. र्थ. न. या. ध. म. द्वा. व. के. म. द. ॥ ॥ य. न. १॥ ग. ना. नृ. ग. नि.

॥ शोकः कदनिमयदक्षिणी ॥ यमानयतिनाधर्मं यथासाध्यमयिदि ॥ ॥ गतलं धारमा ॥
 लोकने देवयाष्टमन जाति या विष्टरु रुल आयुव कदनीन रुनयुसमि या के विरग या ववो
 द रुनम वकाय मने शक दा न सार्ने धदा दामि सा या युसमि न थ वक नागम व या न हा न वल रु
 नायव गतलं धारमा धसु रिं या के ॥ ददल दा वव या धाल सने धन दा ववल आयुव यकनं वा
 या वगिना से या वधार वना धन न सा ख या वद व सने दान का या वद व आयुव धर्के ॥ ॥ म
 या धर्म क्षम धा धी ना निष्ट न मयि ॥ ॥ धन धर्म क्षम धा वल ये यो दा कने द धा धर्के ॥ ॥ या न

१३

यथा मनोली या रुगाने मयि के कथा ॥ ॥ यमान रुगानां दयों कर्षे कि सा धव ॥ ॥ थव डि व
 ता गत रु व अर्थ मे व यो थ व मा मा ग्या रु थो मे व रु द न द या वा व द सा धू जन धाय ॥ ॥ जय
 व के ॥ यथा स्थाने व दाने व सर दृ क्षयि या यिय ॥ ॥ यो यमन यु व १ यमा गम धि ग रु नि ॥ ॥ त्वं व
 द मे नि रु न रु लो दा रुं स ग ती ॥ ॥ ॥ वा य ध नि न रु ड नि द रु दान रुं न था द न रु न रु ति य रा व
 या य रु ड य का व या य नि मि नि न धु के वा य न धाल ॥ ॥ यथा वा के ॥ द वि दा म् व की न या सा य य
 रु ध व ध ने वा धि न सो ध धि य था नि रु ड रु कि मो व धं ॥ ॥ ना ना य न र्म आ रु वि वे रो की नि य

15

10

7

६३५
 कुरुधिविरसो दानवियरुनं दाविडया कसवधकं धनवक्रया कवि या या कार्य मद्रयथुलं
 धारसा वाधिनक वक्रया कथका धाधिवामल याय कार्यदक निलीगिया क वासलपुका
 यथगार्थधकं ॥ ॥ दानवीमिनियदानं दीयनं इनवकाल दक्षवया वृत्तदानं सार्थकविद
 ॥ ॥ वियवकु कसस्यं डयकानया दवि या दान कावदेवस या कसस्यं या दान धदानसा
 कडके मधाय ॥ ॥ मदकमवसात्वा सुदके ककनमिदं गृहान ॥ ॥ थगिन कभीयः
 यविस ॥ ॥ नया दान वधसु वधुके कनका ववाया धकं ॥ ॥ गतो या वदसी इस्त्रागु या विष्मि स

१८

वधव ॥ ॥ गावस हयं वानिमग्रं यत्रायुं गमकन ॥ ० ॥ ॥ थधवाधवन धाया ववनं दान
 मावक्रयया रुयुधुनिनिवनं महायंक सगुवका वधा दानयमरुनं ॥ ॥ ॥ त्वामरुमृदयया
 मीगिगने ॥ ॥ धनं वयगम्य वाधुन धुनी इति केव ॥ ॥ थधमग्रये कसगुवका वदान दानव
 वानं वानं इनधकाय मस्त्राधकं विगुयवं ॥ ॥ नधमी ॥ ॥ धनं य ॥ ॥ निगि का वनं नवीमिदं धाधय
 नंदनात्मनः ॥ ॥ ससाव वानथा विवायनं यथायक त्या मधुर्वगवी यय ॥ ॥ ॥ धमी ॥ ॥ धा
 थयागमनं थवमकाव नाया या केन नमरुव सया कल सनं ससाव मव गधलं धाल साधा

वनादिन नुव रुव साया लराव थं रुनुन दि वे मरु द म मधुल ध थं ॥ ॥ किं क ॥ अ व हं ॥
 दिय वि की ना रु सि इ स्त्रान मि व कि या ॥ इ रु म रु व रु या ये स्त्रान ता व रु कि या वि ना ॥ ॥ ॥
 दिय नि ग रु या य म रु व सा ध म रु सि या इ स्त्रान थं सो ध न रु पा व रं य ल ख न द र व ग म रु या
 ना रु ल न थं सा म न रु य ध व र य म रु नं कि या म द रु या रु न रु का य ध रं ॥ ॥ न म या ल
 ड के न रु नं ॥ य द रु मा वा न के वि ष्ठा म रु नं ॥ ॥ धा जि न या दा म जि व ध रं ध व वि ष्ठा म न वी द
 ध रं ध थ वा य ल न विं ग य रं ॥ ॥ स वे स्त्रा दि या वि रु म स रा व नं ग रं व ना ॥ ॥ अ गि हा दि गु

१५

म स वा स रा व म द्वि व रु नं ॥ ॥ ग थ धा व सा स म रु या य वि रु स य गु न वं न रु ल स नं ध व म
 रा व म मा क र स या ल न रु न रा ला व द यि व ध रं ॥ ॥ ॥ नि वि ल्हा नं वा सा या वि रु ॥ ॥ ध
 थ वि रु व या व रु द वा य न ध म न रु या दा व न रं ॥ ॥ ॥ नो रु व वी मि रं क न रु गु लो रं नि हा
 दि ॥ ॥ व ल ख नि या वा ज्ञा न व र ख नि य नि हा नं ध ल थं मि मि स रु य रु व ध रं ॥ ॥ न स वे
 थ यि सा वि नं म क रु वी ॥ ॥ धा जि न रु व सा न वि वा व म या सा रु न व नं म नं व ध रं ॥ ॥ ग थ
 यो कं ॥ स जी रु म न रु वि रु न रु म रु म रु सा मि ना मी न रु य नि स रु वि रु म रु वि रु यो कं स वि वा य य

॥ गच्छता सर्वकथां गच्छतां यतिस्तु ॥ ॥ थथथायाखड्गदावसकलवलखुनिय
निधायकिमशुगवनं ॥ ॥ यनश्मसकायायिष्ठा मुनिधायकिवदुष्काश्चुकोनश्मस
याभावाविष्ठाकलां रूमादिना ॥ ॥ गथात्वंधावसा मकासावक मूनगानिगिसड्डनधव
लयुथनिमंसयसनसन धसंशययुदलयं लासकाभाहीयाकेन ॥ ॥ अनकवसर्वेश्वरं ॥
संकीलितकालेनवदा ॥ ॥ थनेलिथं सकलेयासनकडकिलगसंयुं संगयायाशनकेन ॥ ॥
यसाववनालंकर्तावलिमिगायं सर्वेगिचसुवेति ॥ ॥ थयाववननधकाशवदवाधकावसकल

११

सानंनयागननुत्तारं ॥ ॥ गथायैके ॥ नगनसागो गच्छं सिद्धं कार्यं समरुलं यदि कार्यं समरुलं
यदि कार्यं विद्यां स्यात्सर्ववस्तुवदुम्यं ॥ ॥ गथात्वंधावसा रुकाके संदुयावनमगं वदुयाद्वार्यम
नं वलीकवसमलं गनवनं मालाकार्यं सिद्धलसां नायवदुसं डगिरुलधवं थं वनदया कार्यं स विद्यां
लागसर्नदुयावदुदुयाधवदुयागनदुसनशुयनलसिनवावायादार्थं नायवधवं ॥ ॥ गथागिच
सुवंश्वी विद्यावदुवा ॥ ॥ थथथावा सलनाया वविद्याववाजावलखुनिनुधाल ॥ ॥ नाय
मस्यदाव ॥ ॥ गथायादुसनमदुधवं ॥ ॥ यनश्मयायदायमायगकीनीदिनायायाखड्गुनीमा

٩٤

क्र. संयति वेल सद्ध मावें कद्रा सरा सयद्र न व व न ह्या य स व द्र. संय म स सु ल द्र. य स ला य वां द्या या क द्र.
 नाना मा रु ठ न ह्या व द्र. थ द्र म दा ला य व य ध र्क. स म रु सं स रु ल ध र्क. ॥ ० ॥ अ य न क ॥ य धा या १ य नू र्थ
 नै व. हा ग वारु नी मि वृ गां ॥ नि दा न द्यारु यं को ध. मा व सं दी द्य सु र्ग ना ॥ ॥ ग थ र्थ धा व सा. य ना द्र य न
 म नू यान नी ल र्ग मा व रु क ल य म. सु रि रु य य व द्र न. थ रु ले. द्र ल व य र्क य व द्रं. थ रु ले. रु नू रु न यो न
 य व द्रं. थ रु ले. मा लं म. मा लं न्वा य य व द्रं. थ रु ले. म वा य य व द्रं. थ रु ले. अ ला मि रु य य व द्रं. थ रु ले.
 दी द्य सु र्ग. ध र्ग ना ध र्क. ॥ ० ॥ ॥ द्या नि टं वा द्य कि य नी ॥ ॥ अ व जि डि सं ध धा या य ध र्क. ॥ ० ॥ ॥ स र्वे व

कविर्निरुय जालमिदम यदि यगं ॥ ॥ चिञ्जि सकलं सानं य कविर्निरुया दाव धया धल वखा दाव वाम
 वने गुन धर्कं ॥ ० ॥ यम ४॥ मलानो मयि वस्तुनां सदगि ४ कार्ये साधिना तृही गुनत्व मा यनो वद्धा नं म
 मरुदकीन ४॥ ॥ चिकुनि धटय दार्थेन अदि कगल मन दाव न व धट का के या यं व धर्कं गध
 लं मल सा यावन गुड मं हन धर्कं अदि कगल मन दाव म दो हा कि र्मि वि य डि व धर्कं ॥ ० ॥ ॥ चि
 र्मि वि य डि न ४ सर्वे जाला मा दा या यि गि ना ॥ ॥ धर्मा विं गल या व सकल वल खनि यनि सान या सत्व व
 खा दाव सकल सानं च गाल न वल क्क मां वलं ॥ ॥ अक वं म या स्वा ड् बाला य दा व कां र्क न व लो क ॥

१५

यथा दाव गो वि न य न ॥ ० ॥ धर्नं लि ध्यं या ठ ला दा ग था सं ध व ल ख नि य नि वा सा व ड स दा व ध स व
 ल न लि व लि व वा ठ व दा व वि क ल य व ध र्कं ॥ ॥ सं ह ना मु रु व ड ल कि म जालं म स वि हं ग मा ४ य दा
 मु नि य नि य नं व ष म या कि म न दा ॥ ० ॥ ॥ द्य नि स क लं ड बा दा व य ल मू दा व डि या ष स क लं वा य र्कं
 य दा ध र्कं द्य नि य डि य नि क ठि न व व दा व डि ला दा न म ला य व ध र्कं ॥ ॥ ग ष ड् वि य या मि नि का
 नं य वा ध नि व र्कं ॥ ॥ धर्नं लि ध्यं मि खान ख नं म द य क वा सां व दा व ध स व ल नि ला सा या दा व लि दा व
 ल ध र्कं ॥ ॥ व ल कं वा व र्कं म व लो क का यो ना ड वृ ४ ॥ ॥ ध स व ल लि दा व ड स दा व व ल ख नि य नि स क

लस्यनं धालधर्कं ॥ ॥ किमी दानि मविर्नं ॥ ० ॥ आवधया गुरुन के मधुधर्कं ॥ ॥ विगणी वड वाच ॥
 ० ॥ विगणी वडा आवलखनिन धाल ॥ ॥ मातामिर्नं यिगार्थिगि सरावयगिगयंदिर्नं का शेकावधक
 धीन्यरुवगिदिगवृद्धय ॥ ॥ सामववधवसरावधसकायानियादिगयायवधवरावसिनडावसम
 कंदिगशयूवधमयादाकाशेयादनमवनयायवधमदिगयागसाधेवर्नदिगयायव ॥ ॥ नदस
 सिर्नंदिनधकोनामससीकोगहुकिनीयविगवर्ननिवसकिसाः सार्कयागं वृत्तागे ॥ ॥ धमिन्
 डिमिर्गदिर्नं केनामवृग्धकि यागिलम विविगवनसवसचयाववाढधनप्रिडिसयागुरुकि

२०

वरुधर्कं ॥ ० ॥ ॐ लोका सर्वे नदिनयक सामिगम ॥ ० ॥ धधुलयाव सकलंदिर्नं धकनामः
 वृषादाधयरावनधर्कं ॥ ॥ दिर्नं कधुनसवेदायायसंकनयागनदावंचिवर्नकुत्ता निवसकि
 ॥ ॥ दिर्नं कधुनधविगवनसवसचयं वादावसदाकालं यवडयकालयायनिमिगिनविगव
 यावगनकि दालदयर्कयिहायधयससुनेकधययादवाढ ॥ ॥ नरुधकयागर्नयागरयचकी
 मुहुसिग ॥ ॥ धधधनवचखनियनिवासवयागवृनगादावसुक्रवर्नं ॥ ॥ विगणी वड वाच ॥ स
 खदिर्नं कर्किमसार्कनसगीखस ॥ ॥ धधदिर्नं कयासमियसुनवडाववाडावलखनिन धाल

दिवंगमिह नृपतिवत्तुर्गोमधस्यदियाधर्कः ॥ ० ॥ दिवंगमो रुद्रचनमाकश्वसंरुमं विवलात्रि
 सुत्याह ॥ ॥ दिवंगमो कन विगुणीवयावचनदं दाव अतिज्ञानद नंधानया लनयिदावया वदालं ॥ ० ॥
 आहयनावनश्मिंयियनद्वामविगुणीवा ॥ ॥ धनिगुनि किमलिलयं नंदं रुद्रचधर्कं चरिं शुद्धयिनि ॥
 अहंगसुदययदहनयायदधर्कं ॥ दिवंगमो कन विगुणीवद्वामं ॥ ॥ यावदद्वामानवलीक सविस्मयं
 रुनस्मिं गोवाव ॥ ॥ विगुणीवयायादस यावनकंद वचोद स्वदाव खा विस्मययाद वी दाव दिवंग
 मकनधर्कं ॥ ॥ सखकिमकन ॥ ॥ गोमिह विगुणीव अभा यावद्वया कावनधर्कं ॥ ॥ विगुणीव

२९

वाचदत्त ॥ मिहं किमनाम अस्माकं याधनद्वामदुःखविधर्कं ॥ ॥ विगुणीवनधालामिह
 मवगानेष्टनमसुवधर्कं कि यनिमानयुवदुमसमरिदयादान आवधधुवधर्कं ॥ ॥ योगधाम
 कयविगाय वधनं वसनानिव आयायवाधवुद्रस रुलामगानिददिन ॥ ॥ योगधाम कायसंकायव
 धनानादयवधमन धूमिथव आमानयादा अयवाधदादावृखन थवमलिलसरुललयिवधर्कं ॥ ० ॥
 रुद्रलाविगुणीवयवधनं रुद्रसमयसथिनि ॥ ॥ ॥ धूमिददाव दिवंगमो कन विगुणीवया यावद्वामकनध
 र्कं ॥ ॥ विगुणीवदवाव मिहमामं वामसदाहिगानां यावद्वामवृष्टिनि ॥ ॥ विगुणीवनधालामिह

मखरु के धर्क धडिध कवा ड यनि सनि रु किने धर्क ॥ ० ॥ हि वं धका वा रु ॥ अरु म
 मा वला नाश को मवा सुद वा या धा वुं कथ मरुं म मथारु वामि ॥ ॥ हि लं ने कन धालु कि लु लं वल लाका
 रु धर्क धूलि मरु स या धरु ने किन ग धरु यू व धर्क ॥ ॥ ग द्या व भे द का न रु रु कि ना व रु व रु ध्या ॥ २२
 हा शि ना धि ॥ रु द न न व य धा क म रं या म धि या ध त्या मि ॥ ० ॥ कि ना ना क म दू व लं द्वा रु नि या धा रु के
 व ने धर्क धनं वि धी कि स ख न रु द था सकल स या धरु ने म रा धर्क ॥ ॥ व रु गी वा श्व द रु ॥ अरु वं
 किं रु य था धा कं धा म रु व ना य ध ना म य न य ॥ ॥ वि रु गी व न धालु रु नि व रु न द य का ला ख न रु धर्क

य धं रु रु ल स नं रुि स ख न वा द धं ध य नि स नि या ध रु कि ने धर्क ॥ ॥ हि वं न ना कं ॥ आ ला य वि ला
 ला न य या धि की नां व रु नं रु नि नि वि दान स म रं ॥ ॥ हि वं धा क न धा व ध व ॥ ॥ ध व रु नि व क न रु व
 ध या क ख नि कि स म दू नि नि स मा ना व नि नि या ख सं द्वा म रु ग यं म दू धर्क ॥ ॥ य रु धा य दा थ ध न वा
 ॥ ला व रु द नं व यि आ ला न ध न नं व रु दार्थ ना यि ध नं व यि ॥ ॥ ग धा लं धाल सा आ य दा वा रु
 या काल न स ध न ल द्वा या दा व रु य माल ध न या सि नं मूल न कि व रु व यं रु य माल रु या सि नं ध
 व रु मा मूल न ल द्वा या द रु य माल धर्क ॥ ॥ अ य व ॥ ध मा ध का म मा द्वा ना या न रु स रुि न रु न

वेतिनिद्वगाकिं नरुगा चरुगाकिं न वद्विगं ॥ ॥ गथलं धालसा धम अर्थ काम भाद धयना
 थवआमादगाले दूधकं थवआमाभाल नाव धआदिनसम सं रूकोधकं थवआमावकायादग
 गांनरुशुवसौ दूधकं ॥ ॥ विगुगीवोदवद ॥ सखनीमि सावदा दृष्टव किं नरुमाधिना नादू
 खंसादमरुमसमर्थ ॥ ॥ विगुगीवनधाल सोमिग नीमि काअम थवदूधकं यथुनं थवकं आ
 यया दावयोनदा न ॥ ४५ ॥ खमावकं मरुग दावदूधकं ॥ ॥ अयवध ॥ धनानिजीविगं वं नार्थया हाड
 लुअं ॥ सन्निमिह वंयां गाविना हानियनं सगि ॥ ॥ अयमयवध साधवना रुहु ॥ ॥ कामिय

२३

गुधना ॥ सा मयामया मरुमयगुलं रुलं रुदि कदाकिं रुद्विगि अयवे ॥ विनावरुनमवगं
 नरुअनिममाकिं कलं यनवा यना विजियिगा ननाधिगं ॥ ॥ गथलं धालसा किनरु वियीम
 दलं जिगलं गीलमगदधकं थलिन थयनि किधवयानभा वसुनं थयनि वरुवयधकं थवकं आ
 हयादवा दयनि सावकं धकं ॥ ० ॥ कि ॥ सा मयगुबी यासि निमिगं मम यज लं विनधवग
 वा यासु यहा ४ यालयमिगुम ॥ ॥ ला यो खि को स धमिग निमिग यादग याहालिल दूधकं
 विरुलसुनं किरुलसुनं धधिं द सदा कालं यानं मरुग विल धकं धूविन यस यानियालयो मा वरुमि

15

10

7

25

25

यकवनिष्ठाया वनीनवसनाकालं साध्वर्त्तिना यादावमृगया दधोदकोखदचनववसवयं वा द॥ ॥ सवमृग
 दधेदया यानिना मया दधुभावेनावलोकेन ॥ ॥ धमृगनवधवद्वृत्तनयमलयं रुयावेलस यूर्ध्वं गदया दधो
 वलसधवल्लङ्गं वृकनयन ॥ ॥ कमालोकाचिन्तयादसोऽप्यवधमस्या मासं सुललिर्नैर्नं रुद्धयामि ॥ ॥ धवचाखद
 वल्लङ्गं वृकनचिन्तयलं गार्थिं दधया नाध्वकं गृयवेनारुदधकं गधनयध्वकं ॥ ॥ रुवदुविष्ठासं नावद्व्यागयामि
 ह्यालोकावद्व्याववां ॥ ॥ आवरुकाया धवकाविष्ठासयाचकावयचिमाननिस्सयध्वकं थध्विं वयावसयनिटाव
 यादवध्वयध्वकं ॥ ॥ मित्रकनचकं ॥ ॥ लोमित्रकसललाधकं ॥ ॥ सक्कं कनः समागच्छसिक्कं ॥ ॥ मृग

27

[illegible]

द्विनामकाको, मुगसाचिंतवसनि॥ • ॥थथर्कवकवनायं, मुगवासवच, मुगयामित, सवर्द्धिकाय, चंदकसा
नासिमासवान॥ • ॥वासवदनि॥ • ॥कोखनध्वन॥ • ॥सखमिंतं, मुगकोइयदिनिर्यं॥ • ॥सखमु
गामित, अमादाधसध्वकं॥ • ॥मुगइकनं॥ ॥वकोइयंमसांरि॥ ॥सखमिद्धनायाग॥ • ॥मुगनध्वल, वको
नजीवमिगयाय, यसांवचध्वकं॥ • ॥काकोइकनं॥ ॥वयसाअगनुनांसदविष्ममानयूका॥ • ॥कोखनध्वल, को
मित, अमादविष्मसयायमरिठध्वकं॥ • ॥गधायकं॥ ॥असनकललीलवासादवनकसाचिरु॥ ॥माजीनसादि, कोख
नदनागुयजलकव॥ • ॥गधध्वलसा, कलसिन, वददालमसियाक्यागवासादियमवचध्वकं, लवियागवास

विनावनकुलंगगुडगलरुनियादूखनभाकदूधकं॥०॥नावाहदु॥कथमनव॥मुगनधालप्रभाखगधध्वकं॥
॥०॥काकःकथयामि॥०॥कोखनधाल॥०॥असिरागीनथिनीच॥गुडकगनामयवेनमहानकाठिवरु॥०॥
राष्ट्रिनंवनस॥गंगागीनयासामिदस॥गुडकठनामयवेनस॥नवधद॥अवाठी॥सिमादूमादयावयाद॥०॥असचका
ठवड॥वयवियाकलिननयनी॥अलकवानामगुद॥इयानिवसामि॥०॥धसिमायाकसधेवयाकनास॥अंधअलं
गवनाम॥गुददूआ॥वसचयावयाद॥०॥अकिवेनायगहुकनासिन॥यदिन॥साहा॥जाहु॥किंविस्कि॥इदयागु
नि॥०॥धसुचकेयानप्रथन॥धसिमास॥वसलयं॥थीद॥यदियनि॥संन॥अहा॥नचिरा॥यचिरा॥य॥वियावकया॥०॥

॥ नमो जीवनी ॥ • ॥ धन आधालयादमादावद ॥ • ॥ अथ कया विदि दक नुना ममा कौच ४ यकिना वका रुइ
 कयिगुंगान ॥ • ॥ धनो लिथ च्छुया दसु वसली दक नुना मरानिन यकि या चागोनया दधधय सुवचं ॥ • ॥
 नमायानंद वृष्णवके रुया कोलिगे १ कोला रुच १ रुग ॥ • ॥ धरुगे वदखदा वरंगल चागा डलोलन रुचं ॥ • ॥
 नवृत्ता जल रुवेगा के ॥ कोश्य मायान ॥ • ॥ धधज गल चागा हाल सवना या दअलंग वगुट नध्वच सुवलध के ॥ • ॥
 ॥ दी दक शुध न म व लाली का सरयं रुहागा १ स्माधना नि सानि धन यला यन म वाग कानुना ॥ • ॥ दी दक शुध
 रुगि म या व अत्यं न गदा व डि मय म मालो ध के वाय म रुया दधया समि द संधानं ॥ • ॥ अथ ॥ या द वं रुवत

२६

॥ समिदम वगद्या मिता लोया दसुया दविन ॥ • ॥ धधधन न रुगिन धया समिदम वदा वध्वयधका वधव
 नाय नाय ध के चिंन वया दधया समिदम वदा वध्वचं ॥ • ॥ अथ ला मरि वध ॥ • ॥ रुगिन धन रोगुचन म
 स्कावध के ॥ • ॥ गुडा वदगि वसं ॥ • ॥ गुधन धन वृसुध के ॥ • ॥ साक विग मांजाला रु ॥ • ॥ दी दक नेन
 धाल डि रुगि ध के ॥ • ॥ गुडा वध ॥ दनय सन रुवेगा वदव वा शिमया ॥ • ॥ गुधन धन अमथ रुवसा अदि
 कययुय लायिने न रुच का सां डि मा व के मने वना ध के ॥ • ॥ मा कौ वा वदगि १ यगा ना वल म वचनं ॥ • ॥
 रुगिन धन रुगि वचनानि रुदा ध के ॥ • ॥ अगो रुं यदि वादि वध्वरु या रुं वं ॥ • ॥ धधव रु डि मा व के माल सां

भावविदधकं॥०॥यगहजागि मागन काधिर्दिह नयन दक्ष गं काचि न॥वद न संस्य वध्व यज्ञाथ वा नव
 न॥०॥एथ ध्वर सा जागि मागन सज्ज व मन भावके ना दक्ष नय ना व ये वा व दान सा या व दक्ष ग्य न य दक्ष नय दक्ष
 ग्य न सा मा नयाय भावके न सा वं ध्व स थ या य धकं॥०॥गृक्षा द व द न॥क थं न व न व वि नं॥०॥गृक्ष न ध्व ल लु न
 मजा न व वि न ग थ धकं॥०॥भा द्ध वि न॥०॥सी द क र्त्तु न ध्व ल॥०॥एरु म न गं ग नी ल नि य सा यि नी ना मी धा व द
 व र्थ वा द य न गि द्ध मि व वि नं व नं॥०॥जि ध गं ग नि व स नि य द्ध न या द व नि ना मा सि या द व व द व थ ध ल न य
 वा द लं द या य न व न व न ल वं वा द धकं॥०॥य मा ध ध मो न म मा वि ध्व र म य य द्धि ना म मा रा य सु व गि म नी र द द्ध

३०

वि द्वा व द्ध ध्व म् नं म द ना या न॥०॥द्वि ध्व म् नं म द ध कं जि वा व सा स या य ग थ म द्ध ला ध कं द्या द
 नि म न जि द्ध व नं द्ध य सं सा ख द्धा क ध कं ध न न द्वि ध्व म् नं सु व ध का व द्ध कं ध्व म् नं न वि द्वा सि व ध कं द
 द्या व जि ध न द या ध कं॥०॥ए व द्ध न द द्ध ध्व म् नं य मा म नि धि र्मु मू द्ध नां॥०॥गृक्ष रु ध्व म् नं य द्ध नां व र्थ वि नं का
 य मा नि धं गृक्ष मा ग नी द्ध य ग ग नां द्ध यां भा य सं द व नं म म॥०॥अ य द्ध ए य न र व नी न द्या यी न न व च सा यि ना व
 या धि नि य द्धं॥०॥ध व द्ध स द्ध नां म द न स नं यी नि व च न न ल नं अ नि धि धि य जा या य मा ल ध कं॥०॥न धा यं कं॥०॥
 धा नि र्मि नू द कं वा क गु धि च नू र्मा ए व ना य यि स नां र द्ध नां द्वि ध्व म् नं क या व नं॥०॥द व र्थ ज्ज ल द्या गि नि नं वा न धा य

15

10

0

[illegible][illegible]

[illegible]

33

किं गननालघुवनसां ॥ ६ ॥ चानवनिनामाहु वसत्येवकुरुमर्क ॥ ॥ यथाचारं मृगावध्वसुधायरगवानिये ॥ ॥ ग
 धृनमृगमिगुरुन ॥ अर्थं अर्थकं ॥ ॥ मृगावध्वनिके मननालेवन सर्वेवकनविर्धेयानायसखिरिशिरेयगां
 ॥ ॥ मृगनध्वनमावृयायधिधिठगायनत्वादावदृयायगिजिसख्यं नार्थविष्णमयादावसूयनधानध्वकं
 ॥ ॥ काकवध्वममु ॥ ॥ काखनध्वलध्वनध्वयार्थध्वकं ॥ ॥ यानहसवेयधामिमदध्वगना ॥ ॥ उक
 नागनर्कवकनसानेहमर्क ॥ ॥ धनंलिध्वनसदावधमधमययाययाध्वयसदनंरुवकन ॥ ॥ वंनलसयनि
 दववदावमृगद्वगध्वकं ॥ ॥ मधमृगावध्वनिके कद्वध्वनस्यध्वनिकमिगदहंत्वंदध्वयामिगध्वनिकस

किं समुगहयहं गसां खादकिं ॥ • ॥ शमृक मृगधवर्नांगलममृयवैशुवचूगपिरेदधुजिनवि कनध्वकं वाटय
 दावके दावकिं थमृगन नववनध्वकं ॥ • ॥ कुरुयगिनाट्टय यागसुगीथीयिना ॥ • ॥ वधूलनसदावधवस
 यासवृकं ॥ • ॥ अननं यननागनामृगहयागवक्षोश्चिकयन ॥ • ॥ धनं लिथं यनवीन नववदावमृगयागन
 कदावै विकलेयवध्वकं ॥ • ॥ कामामिगृहकालयागकागुं मितादयहसमध्व ॥ • ॥ भवनसुनानं कालयागवगुल्य
 सवरायायागनकनकिध्वकं वक्रयिवमिगुन यनमध्वमध्वकं ॥ • ॥ अगनं सजं वक्रकहनागयायसिनाश्चि
 कथान ॥ • ॥ धनं लिथ धुं वक्रन धवनायागनकटधायस वदाव विंनवयवध्वकं ॥ • ॥ स्थलिनतावदस्माकं क

३४

यटववध्वनमनावधसिदिमयि वाकल्यात्रविशानि ॥ यनहनकसासुसमानसामागुशिकासासि स्वधुनयिदया
 कथानि ॥ • ॥ आवनिजिनरुलनयलो किं कयटयाटयाययायकावन मनवांशसिदिशुभाध्वकं सकानयदयनाध्व
 कं धयावाधसां मनुयनयदाया लानादिनयटकासिखिनं नयदयमयाध्वकं ॥ • ॥ मृगसुमालाकाथालासिगा
 इक्षुं ॥ सथिचिनिवध्वनं गायसमां सत्व ॥ • ॥ चलानं वक्रववसदावनमनायावध्वध्वकं सोमिगध्वकं धया
 गहकिनेमध्वनध्वकं ॥ • ॥ यनहआयदासामिगुं जानिया अक्षधुं धनगुर्वि (याथीकोनविवले वृत्तमनं य
 चवाधवान् ॥ • ॥ मिगुमयकुलं आयदावलमध्वकं सुलसियकुवं संगमससावलिप्रधायरुव यवधनादिसनिवाह

३५

0 cms.

5

10

15

20

25

सि॥ ॥ लोमिगु मृगयु सिकरूया दवधा डीन ग व स वृ न हल द व न नानं व य द द व वि स रु नि ध कं ॥ ॥ म ग द रु ग य नि ना द
 धा रू ल न य न ना व ला कि न ॥ म थ वि द्वा म ग व ला का वा र्श आ ह स यं म ग रू नि म गं व ध न भा व रि त्वा या धा स य रि नुं म य ना व रू व ॥
 ॥ ध लं वि थं व ध ल न व ला के द स द व आ न द या द न र स ना या व स ल क य न धा या थं द सि क रू या द द व धा द मृ ग य द व या ध न के
 द व ध म थ ध र्म सि त ध का व या स रू द व या ध म ल म द व धा नं ॥ ॥ म ग द रु का क ध रू ध रू त्वा म ग द रु ग य रि न ॥ ॥ ध नं लि थं क स
 द ला ध वृ न म ग व ग न र ल ध कं ॥ ॥ म ग द रु थं धा ध न रू ध क व ग उ न म ग य ना द रु न ॥ ॥ व ला व सा व द स द व स व ल न व ला या द
 ध या थ ग न म ग या दि सि नं रू य या द यो द रुं व क क या व सि क ध कं ॥ ॥ म थ वा कं ॥ मि रि व ध नि मा र्श मि रि य के मि रि दि ने ॥

३१

मृ ग क ट ह य न यार्थ वि दि व रू ल म ध रू ॥ ॥ म थ रं ध ल सा स व स स वा स व ला स स रू स ग व या य न व य न ध य ना या
 ध न न हारू ल ल य रि व ध कं ॥ ॥ म त रं व वि मी ॥ रू द रु क क थ रि त्वा दि ॥ ॥ ध न न न यि व न सा व यो मि या य म ग व ध कं दि
 लं थ क न ल द य न न क द न ध कं ॥ ॥ का क य न ग द ॥ थो धि न ना यि रू व ना ना द वा म म रू क रू त्वा यि जी व नि जी वा मि वि रू
 वा व न द ॥ ॥ म यि व ॥ मि व ध म यि वि धा सा द रु य रू ध क क म ना ॥ म र्ग दि धा ध नी ल म्मा व रि नु गी व या वि व ॥ ॥ किं व ॥ सा धी
 य रू व म थो यि ना ना या नि वि दि यां ॥ न दि ना य रि नुं ध क सा ग थ रू रू ना ल या ॥ ॥ म थ धा व सा सा ध म य रू य या वी ल य ल नं म रि न वि दि
 या सं व नं म रू व ध कं म त रं धा व सा सा ग ल म म रू य लं स म मि न का रू क म रि व थं ध कं ॥ ॥ दि रं ध का रू नं ॥ व य न रू न य रू

[illegible]

जिअ या यमानवाय धर्मा धर्मं च वचनं अमृतं धर्मं ॥ ० ॥ अथ धर्मं ॥ यमार्कनरा अमर्षिगर्जले स्थानमक्कावलि नधी खधुविलयन
 सुखायामियत्यङ्गमयौघिन ॥ यीसमर्कनरायिगं यरुवगयीत्याय अथ व मरुमर्कनराय यरुवगं सुकृतिनां माकृष्टि मकाय वं ॥ ० ॥
 अथ व ॥ अरुसा रंश यायुचिर्नेष्टुलां वलिचरुगा ॥ कोष्ठा निरुस त्वमायुगमर्गं सारुसायुखनं ॥ ० ॥ अथ व ॥ यथ धर्मं च वचनं
 कायत्वं वरिचरुय कोधिचरुय नि संतुखी चरुय धर्मि मरुयायुखननमिगवायुव धर्मं ॥ ० ॥ अथ व ॥ यथ धर्मं च वचनं
 यिन वरुचरुय ॥ ० ॥ अथ व ॥ यथ धर्मं च वचनं यिन वरुचरुय ॥ ० ॥ अथ व ॥ यथ धर्मं च वचनं यिन वरुचरुय ॥ ० ॥
 नमः सागं ॥ अरुचरुय मया यलां यत्यङ्गनां यमायुगं ॥ ० ॥ अथ व ॥ यथ धर्मं च वचनं यिन वरुचरुय ॥ ० ॥

मिथीययादसूदयमद्वयशानामकायववमयययाद, अमिसरुऊनधमिकधकं॥०॥यम॥यमायदहायागिहो, सर्वसो
 सकंरंनृनो॥धमसयंमनसुनं, कस्ययिरुमाहाअन॥०॥सवमत्साहावविहयेमोसवदशिशमि॥०॥धनमंसावयावकं, धालि
 लयदवदमानयायिवधकं, किरुकाथनयादाव, शयधकं॥०॥यमवयसिदहनसात्मानं, नमिह, मिहानिववाअवा, न
 जविश्यामकधितं, यधंयविदकेश॥०॥यधंअलसा, थमिसंथयसंथरुले, सत्कावयादनथमसाययाकं, अयनदाव
 मिहवांधवं, मयकदाव, विद्यामोय, सवमयनदाव, थथिंअयस, थथिंदनसतवर्गं, मालधकं॥०॥अयवध॥यकेश
 नविधंनं, नककागु, नसहि, नं, धनिनक्षमिया, नका, नदीवेद्युयकम॥०॥धदागामयस, वसलधमनं, धमि

४९

क, क्षाष्टि, नका, खवेद्य, धमिधकं॥०॥नकासामयिकनय॥०॥धमिनकि, प्रमाथायसयादयधधकं॥०॥यथकायसक
 वसह, विविगुधालयससासवसह, यंरुकाअ॥०॥धनंलि, थंकासव, हि, रंयकवमिह, सदिगन, नानाविविगुधअकाय
 व, मय, वयादा, थयस, य, खलिशासमि, यसवनधकं॥०॥यमोमय, नकाय, वलाक, लय, यगनक, यावृह्यामि, थं, सत्कारं, वका
 रं॥०॥यथवदल, ययगनक, मरुलनका, यिननववसदाव, वयददाव, मरुलन, नम, सल, अमि, थय, मधकं॥०॥यम
 वाला, मायदि, वायदि, वाय, यया, वाय, रु, मागकं, नया, यका, विधमयो, सर्वेया, ला, गती, गु, ॥०॥धन, धनसा, गालका, वस
 नं, वृद्ध, अर, मर्न, ला, वक्र, क, वसर्न, धवद, सवलदाव, यका, याय, मालधकं, स, मरु, यो, प्रया, सगन, गु, वरु, वअ, थन॥०॥ययसा

15

10

0

१५
 १०
 ७
 ५
 १०
 १५
 २०
 २५
 ३०
 ३५
 ४०
 ४५
 ५०
 ५५
 ६०
 ६५
 ७०
 ७५
 ८०
 ८५
 ९०
 ९५
 १००
 १०५
 ११०
 ११५
 १२०
 १२५
 १३०
 १३५
 १४०
 १४५
 १५०
 १५५
 १६०
 १६५
 १७०
 १७५
 १८०
 १८५
 १९०
 १९५
 २००
 २०५
 २१०
 २१५
 २२०
 २२५
 २३०
 २३५
 २४०
 २४५
 २५०
 २५५
 २६०
 २६५
 २७०
 २७५
 २८०
 २८५
 २९०
 २९५
 ३००
 ३०५
 ३१०
 ३१५
 ३२०
 ३२५
 ३३०
 ३३५
 ३४०
 ३४५
 ३५०
 ३५५
 ३६०
 ३६५
 ३७०
 ३७५
 ३८०
 ३८५
 ३९०
 ३९५
 ४००
 ४०५
 ४१०
 ४१५
 ४२०
 ४२५
 ४३०
 ४३५
 ४४०
 ४४५
 ४५०
 ४५५
 ४६०
 ४६५
 ४७०
 ४७५
 ४८०
 ४८५
 ४९०
 ४९५
 ५००
 ५०५
 ५१०
 ५१५
 ५२०
 ५२५
 ५३०
 ५३५
 ५४०
 ५४५
 ५५०
 ५५५
 ५६०
 ५६५
 ५७०
 ५७५
 ५८०
 ५८५
 ५९०
 ५९५
 ६००
 ६०५
 ६१०
 ६१५
 ६२०
 ६२५
 ६३०
 ६३५
 ६४०
 ६४५
 ६५०
 ६५५
 ६६०
 ६६५
 ६७०
 ६७५
 ६८०
 ६८५
 ६९०
 ६९५
 ७००
 ७०५
 ७१०
 ७१५
 ७२०
 ७२५
 ७३०
 ७३५
 ७४०
 ७४५
 ७५०
 ७५५
 ७६०
 ७६५
 ७७०
 ७७५
 ७८०
 ७८५
 ७९०
 ७९५
 ८००
 ८०५
 ८१०
 ८१५
 ८२०
 ८२५
 ८३०
 ८३५
 ८४०
 ८४५
 ८५०
 ८५५
 ८६०
 ८६५
 ८७०
 ८७५
 ८८०
 ८८५
 ८९०
 ८९५
 ९००
 ९०५
 ९१०
 ९१५
 ९२०
 ९२५
 ९३०
 ९३५
 ९४०
 ९४५
 ९५०
 ९५५
 ९६०
 ९६५
 ९७०
 ९७५
 ९८०
 ९८५
 ९९०
 ९९५
 १०००

कलया मजागललगाव. पयिनं गोतिक या यक या कोवि ममं सन धकं ॥ ॥ यम हस्मान ह्योयिह मीगुलव वसकि याहासव सा
 इकि. माहि यूर. सत्रिध रति य मा. वासा विदलक था ॥ सं मम मरु य मधली गीर सद. ह. निजा या धकि मिह य हा था द क
 मीय मं य वधनं नाग स्य रु. र. श्री या ॥ ॥ अ य व ॥ य नं द. कन स मं मरु या या विर हा गनं ॥ स य म म गृह क सा. ना नी नां द य
 नीन य द ॥ ॥ कि ॥ ॥ स्म नं ना स्म क्त नं ना स्म ला स्म या यो य मान व र गन ना व द ना नी नां सगी त म य जा थ ग ॥ ॥ अ य म द ॥ ॥ सो वि
 म ना क सा स व न हा क म द क सा. ध स गान. य र गी म सा मी क य म रू. व ध कं. ना र द न क दा ला क ध कं ॥ ॥ अ य ॥ ॥ य म क रु स मा
 ना नी ग का झ र स मा य मान (क सा य म क वि कि ॥ ॥ वै क गुं स य य द धं ॥ ॥ ना य र य र व गु ला मि सा. हं स र मि व गु ला मि रु न ग थ

५५

मि व ना य ध क न क रं अ थं मि व मि सा व न कं गु वान दा व रु य व. अ व न स्म नि रु न ग य म क व ध कं ॥ ॥ अ यि य ॥ ॥ य का र क मि को मा र.
 रु का र क मि यो व न (य गा य स्य वि र स व न श्री स्वा य क म र मि ॥ ॥ य र क रु व र व र्ता मि स र यि व र्थो व न स. य व स न मि य र यि व र्जि
 थ रु र दा व. का य न डि व र यि व र्थि या य र नं ध व. स स म द ॥ ॥ न क दा सो पि ला व मि. र ला व ली किल न क द र. य थ क न र्थि क य
 व न वि धं अ ला र्थे सु खा मि न ॥ ॥ रु द्र या य स्य व स. ध ली ला व ग न त र म क सा रा व. र त म य म या या क. यो न क य व नि जाल व नाना क था
 ह्ना र्थो पि ला स या द. सु ख न थ द ध कं ॥ ॥ ग म ली क्ता यी रु गं. यो न म व ला का. स रु सा ल्प य क ण प्र गृ ह्ता नि रु ल मी लिंग व स न र्थि क
 ॥ अ य न स. य सो म व द स द व. म थ नं व य द द व. ली ला वी ग न त र म क सा ला व. य स य द व त्र या न व ध कं ॥ ॥ अ य य य यि ग र ॥ ॥

[illegible]

466

[illegible]

थदनकं कुलसा निधनधनि धाय धनि या यथा कनकुलं दानशाय या यधकं ॥ १ ॥ अरुं राशन सा मा यं रु य स्य धनं य रे श्वा प्र
 श्वे व मि मि स म्पत्ति ह मो द्द र्खन ग म्पत्ति ॥ २ ॥ न द्द कं ॥ दान यी य वा क्ति ह कं ह्वन म न व द्द मा त्वि ना ॥ सो र्थ त्या ग म्पत्ति नं व द्द कं
 दल र म न व द्द कं ॥ ३ ॥ यी गि व र न न र्थ य क्ति व द्द दान या क्ति काल म द य क्ति ह्वनि द्द मा व न या द स र त्या गि या द धन ध ल ध
 या नान सं य क्ति य र्थ द ल र ध कं ॥ ४ ॥ क्ति व द्द कं ॥ क ल वा सं य थानि र्थ क क्ति थानि र्थ क य ॥ य थ स क्ति य धी ल न ध न्ध मा नि या
 गि ना ॥ वा ग ध र्थ ध र सा स द्द कालं सं व य या य माल ज्जि सं व य क्ति म न व द्द क्ति स क्ति य या त न न लि य स न स या व थ व यान
 मा क द व ध कं ॥ ५ ॥ स द्द वी र्थ ॥ ६ ॥ ह रं य क न ध र ध कं ॥ ७ ॥ क म थ म न क ॥ ८ ॥ अ मा र्थ ध कं ॥ ९ ॥ म द्द व ना ॥ म द्द व न ध ल

७१

ध कं ॥ १० ॥ अ र्थि क ल्या न क ठ क वा र्थ वा र्थ ल व ना म वा धा ॥ ११ ॥ य द्दि नं व ल स क ल्या न क ठ क व स ल वं वा द्द र्थ ल व धा या ना म स
 व र्थ ॥ १२ ॥ स र्थ क द्द या य द्दि र्थ स र्थ धा र्थ व म धा र्थ ॥ १३ ॥ य क क ल या य क र्थ र्थ व र्थि व र्थि व र्थि व र्थि व र्थि व र्थि व र्थि व र्थि
 द्दि ग म्पत्ति मा द्द या ग म्पत्ति मा द्द या र्थि र्थि व र्थि व र्थि व र्थि ॥ १४ ॥ य स व र न म्पत्ति क्ति व र्थि व र्थि व र्थि व र्थि व र्थि व र्थि व र्थि
 क र्थि व र्थि व र्थि व र्थि व र्थि व र्थि व र्थि व र्थि व र्थि ॥ १५ ॥ य ध र्थ
 या ग म्पत्ति य न धा ल ग क्ति र्थि व र्थि व र्थि व र्थि व र्थि ॥ १६ ॥ य ध र्थ
 लि द्द व र्थि व र्थि व र्थि ॥ १७ ॥ क क्ति व र्थि व र्थि व र्थि ॥ १८ ॥ य ध र्थ

न यशशाक, धमनक, धनि या धन क्षय, धन यरुण धन, धमसि मठा व, धननं, ~~अ~~ वमा नानं स वक्र को यव धर्कं ॥ ०
 दून् दानिं यमुदिम गोका यरुन ॥ यरुणा ना या यमि वां द्यु गित स्यं न द्यु कि क्षा विरु ॥ आ यत्वा यन मश्च कि न म प्र या युग
 वरु य ॥ ० ॥ म द्यु ल वां द्यु म या का मा क गु ल स, सा वना म या का, मा यदा म य रं स द ल रं द्यु स या द म स द, ध म म न् य
 या गु म क्षय धर्कं ॥ ० ॥ म द्यु स सा सा रु न, म स्र या र्वा वि ग यां ॥ ० ॥ धि कि न सा म ग रु न द सा द या द न, य म या र्वा कि न धर्कं ॥ ०
 य म द्यु सा य धि गानि रु व नि मू सा य मु कि या वा य र्वा म वि दान, म वि स म या व ध मा रु ना नां ला म मा रु न, क र्वा वि रा र्वा
 म स्र य र्वा न स ल म या अ व मा र्वा रु ना र्वा क र्वा वि रु ना वि धि गु ना रु, म स्र य र्वा क र्वा रु रु ग ल्वा स्र या य, य का ध य र्वा धा म द्यु

५३

दि य र्वा ना ग द न द्यु वि द्यु व न, यो म द्यु क र नि या न म द्यु य न म र्वा ॥ ० ॥ द्यु न क रु न द्यु र्वा क र ना क र्वा क र ना म रा द्यु वि द्यु
 य मा कि मा न स्र य न न य वि स द्यु र्वा ॥ ० ॥ ध व ध न न र म रु ल द व अ द्यु र्वा क र, वा स र्वा स म न् य न, धा म स्र य र्वा म र्वा म य
 धि ग न, ध व स्र य न ल ल ग म र्वा ॥ ० ॥ का य र्वा य द व न म र्वा ॥ ० ॥ धा म का य र्वा य ल द न व र न ॥ ० ॥ द्यु न स्र य र्वा य र्वा
 म र्वा म स्र य र्वा क र्वा (म र्वा) वि न ध नं यो कि का का र्वा य र्वा म र्वा ॥ ० ॥ द्यु र्वा ल र्वा का र्वा य र्वा न व नि व र्वा म स्र य र्वा
 कि स म व न या क स्र य र्वा द्यु र्वा म य र्वा का स्र का य र्वा म र्वा ॥ ० ॥ धा म र्वा क र्वा (का) वि र्वा म र्वा रु ना, सा वि र्वा य, का वा वि र्वा
 म र्वा म र्वा ॥ ० ॥ द्यु र्वा य र्वा म र्वा क र्वा, वा रु य र्वा यो कि न ॥ ० ॥ य र्वा द्यु न स ल म रु ल य र्वा न र्वा स र्वा व ल र्वा रु ना, का स्र य र्वा

[illegible]

54

[illegible]

知

[illegible]

लनाममहानगलमगुंगवलनाममज्जयुक्तंमज्जायामंमवमहावरकुरुनधकं॥५॥सवनगमंज्जात्रमिथोदयोवना
सावयवगानामवनिक्कीमवलाकयासासा॥५॥धर्मगवलमज्जावमहावलवगधवनगलमगमययंज्जलहास्यंम
मिथोदयोवनलावयवीननामवनिक्कीसासावसर्त॥५॥मगहस्रद्व्याज्जलासाकोलममसिस्सुस्याहकमममयादि
मवासा॥५॥धर्मज्जयुक्तमनधकयासहावधवगुरुसाविष्काहावकासनीयंउलयावकद्वनिनहावकावहालधकं॥५॥
सायिलावयवगामदवलाकमज्जयुक्तमवयहावज्जुकीकमहस्रद्व्यागदकाविलासवकु॥५॥धर्मज्जयव
मिज्जयुक्तयुगयासायानकमनीनहाहावमज्जनामकासनीयंउलयावद्वयसर्वध्याहावमज्जयुक्तयुगयाकरमवन

34

[illegible]

कं० ए० म० या० द० द० य० द० द० स० म० न० सा० दि० ग० या० ए० वा० ऊ० द० द० या० य० रा० द० न० धी० की० स० मा० व० क० सा० ध० ल० य० ध० कं० ए० ए० म० न० व० सं० व० क०
 का० ह० क० य० व० ग० ल० क० स० या० स० नी० यं० ग० ला० सा० छ० ऊ० मं० य० न० या० वा० व० ए० ध० नं० वि० ध० वं० व० क० द० द० अ० ऊ० व० क० क० य० ग० ल० क० स० की० स० या० स०
 मि० य० स० व० द० क० म० छा० ग० य० ना० म० न० ठी० वा० या० व० ध० व० ध० ल० ध० कं० ए० ए० द० व० द० हि० छि० य० छि० म० दं० ए० ए० सा० ग० जा० स० य० स० क० या० या० द० न० ध० कं०
 ए० ए० ह० स्मि० क० ग० ए० का० स्त्रि० ए० पी० की० सि० न० ध० ल० द० स० ध० कं० ए० ए० स० क० ग० ऊ० व० का० ह० ए० ए० छि० ग० व० न० ध० ल० क० ऊ० व० क० ध० कं० ए० ए० स० य० ग०
 व० न० व० र० ह० य० छि० य० ह० मि० लि० ला० य० स० या० य० मो० ह० हं० ए० ए० स० म० स० क० व० न० य० ल० य० छि० म० व० य० नि० म० न० छि० य० ह० र० ध० कं० ए० ए० या० दि० ना० या०
 छि० व० स० गुं० ना० या० ग० ए० ग० ठि० वि० वा० का० शि० वि० गं० रा० स० व० स्वा० मि० गुं० न० या० ग० नि० शि० यि० ग० ए० ए० वा० जा० म० द० य० कं० वा० न० मा० ऊ० व० ध०

७१

कं० ध० व० नां० म० र० स० ग० आ० रि० द० की० वि० य० छि० र० धा० व० स० व० स्वा० मि० गुं० न० व० न० ध० कं० ए० नि० य० या० द० न० छि० य० स० र० ध० कं० ए० ए० य० ग० ह० य०
 क० ला० शि० गुं० ना० ग० र० वी० म० धु० द० र० य० मा० य० द० न० ए० धी० मि० का० नि० वि० क० न० र० ह० स० स्वा० मि० य० छि० क० सु० वि० ए० ए० म० य० ध० ल० सा० सु० क० र० वं०
 मा० गुं० न० व० न० वी० म० धु० द० र० य० मा० यि० धी० मि० क० ला० मि० स० व० ऊ० वं० पी० यि० क० स्वा० मि० या० य० जा० ऊ० व० या० ध० कं० ए० ए० य० व० क० ए० वा० जा० नं०
 य० ध० मं० वि० द० न० मा० रा० या० क० मा० ध० नं० ए० वा० जा० म० सा० ग० ला० की० स्मि० क० मा० रा० या० क० मा० ध० नं० ए० ए० ह० या० वा० जा० नि० य० य० या० य० ध० नं० ल०
 श्री० ध० न० द० य० की० वा० जा० म० स० त्या० म० धी० मि० क० ल० हा० व० ग० न० श्री० ग० न० ध० न० द० नं० म० द० ध० कं० ए० ए० म० य० स० व० त० य० य० य० व० र० मा० नां० सा०
 धा० रं० य० धि० वी० य० मि० ह० वि० क० ला० यी० द० य० थि० यि० छि० य० क० न० न० र० य० मा० ए० ए० की० क० मि० य० मा० वि० ध० य० व० का० या० य० सा० द० गुं० या० वा० जा०

राजगीरि यव वही स्मिद्धं रं ह साधुनि दोगरह कृमि मा यो व कला वा यो धर्म वा धनं वा यमि मा य कल ना बी य नी त्या स्ये
 मि त्वा य यं ए ल य व लान वि व ल गि न थ कृ त्वा स त्व र मा ग म्मा मि त्वा क्का य व लि ग ए ध क नी रु ड ल य व मा स म क्का
 व रं द्वा स थान वि का रु न ध कं च या व कं च क व न ध कं ए न्ना ग नी सो वा क्का वा रा क्का रु क य व मि ल क द धृ ज्ञ व य स थ
 व स ना म हा यं क नि म ग्र स थ स य नं ग म्मा क कि म ध ना वि ल यं य क्का य म्मा रु र ह ए न्ना य स थ कं व क न च या द द्वा व मा ज्ञा या
 ला स या क न क य व मि व क रु स क्का च क वा टा थ य स थ्वा व व यं व द्वा व म हा यं क स गु मं व ल म ग्र यं क स गु द्वा व
 कि सि न ध र शी मि क्का च क ध कं जि म ग्र यं क स रु ल द्वा य य या य ध कं ए न्ना ग म्मा व म वि रु स्या रि डि नी ए ० ५

62

द व म म य द्वा क वा व लं व नं कृ त्वा मि क्का य स्या व व मि ल या वि श्व स कृ न ए य थ वा कं वा यदि स स ग ति व क्का रा वि थ सो
 ल्वा स र्क न ग्मा क्का य म्मा य मि स ए ध य का व न लं व क न थं स ल ध का व वा न आ दि न डि य ट स द्वा या व क स ग या
 व व न द्वा व व ल ल न कि सि मा क द्वा ध कं ए स र्क य व स स म ग्र या न स ल य क्का स थ्वा मा य म र्क व स ग ल व रं क स
 या या व द्वा क अ व स थं य व ल यि व ध कं ए न्ना ग म्मा हं य वि मि स द्वा य न ही त्या दि ए न्ना क्का यु नि न म क्का य म्मा यि ना य व ध कं
 य मि न डि न द्वा य य स थ्वा य ध कं ए न्ना ग म्मा हं य वि मि स द्वा य न ही त्या दि ए न्ना क्का यु नि न म क्का य म्मा यि ना य व ध कं
 य म्मा यि ना य व ध कं ए न्ना ग म्मा हं य वि मि स द्वा य न ही त्या दि ए न्ना क्का यु नि न म क्का य म्मा यि ना य व ध कं

धर्मोत्पत्तिरिति सर्वविश्वस्य कार्यानि यत्कं वासमस्य विश्वसं कार्ययाय सं वाज्ययुगस्य दृढमलधर्मोत्पत्तिरिति
 नन वाज्ययुगनदस्वाकानुविधनन वला लक्ष्मिना कं वासमस्य विश्वसं कार्ययाय सं वाज्ययुगस्य दृढमलधर्मोत्पत्तिरिति
 विनिर्गनविष्ठा दा वला लक्ष्मिना कं वासमस्य विश्वसं कार्ययाय सं वाज्ययुगस्य दृढमलधर्मोत्पत्तिरिति
 कं वासमस्य विश्वसं कार्ययाय सं वाज्ययुगस्य दृढमलधर्मोत्पत्तिरिति
 धर्मोत्पत्तिरिति सर्वविश्वस्य कार्यानि यत्कं वासमस्य विश्वसं कार्ययाय सं वाज्ययुगस्य दृढमलधर्मोत्पत्तिरिति
 धर्मोत्पत्तिरिति सर्वविश्वस्य कार्यानि यत्कं वासमस्य विश्वसं कार्ययाय सं वाज्ययुगस्य दृढमलधर्मोत्पत्तिरिति
 धर्मोत्पत्तिरिति सर्वविश्वस्य कार्यानि यत्कं वासमस्य विश्वसं कार्ययाय सं वाज्ययुगस्य दृढमलधर्मोत्पत्तिरिति

५३

मानियसमवायवधयवाजान आह्वयिष्याववा दृढननयद्विननमनीन श्रीवा दृढयादविधधर्मोत्पत्तिरिति
 निष्कगृह्यदृढनहकिमया कर्माणि निरुचयमिष्यन्तवधर्मा विधर्मा धर्मोत्पत्तिरिति
 धर्मोत्पत्तिरिति सर्वविश्वस्य कार्यानि यत्कं वासमस्य विश्वसं कार्ययाय सं वाज्ययुगस्य दृढमलधर्मोत्पत्तिरिति
 धर्मोत्पत्तिरिति सर्वविश्वस्य कार्यानि यत्कं वासमस्य विश्वसं कार्ययाय सं वाज्ययुगस्य दृढमलधर्मोत्पत्तिरिति
 धर्मोत्पत्तिरिति सर्वविश्वस्य कार्यानि यत्कं वासमस्य विश्वसं कार्ययाय सं वाज्ययुगस्य दृढमलधर्मोत्पत्तिरिति
 धर्मोत्पत्तिरिति सर्वविश्वस्य कार्यानि यत्कं वासमस्य विश्वसं कार्ययाय सं वाज्ययुगस्य दृढमलधर्मोत्पत्तिरिति

यथावत्तारुयाकन, यवश्रीवदहयाविवरधकं ॥ सवराज्ययुगुंरुदयथीया, सावनयनि, योनिह्याल्ययनि
 यय, मालिग्यज्जानयनिमालिक, लावनहयथीकनिमज्जयन्वाधवाज्ययुगुंरुदयसयिययक्रवाव
 यमनित्स्वयावत्तयददाव, कागकंयसयदाव, ज्ञानंयन, मिसांमिज्जनं, ७वसथनधकं ॥ ममालोका, यनिवक
 त्थिगुल्लियमन्ववनिकर्त्तयमासुदहयवविषादमयागमन्वाधवमंनस्वयाव, वानिकयुगुंरुदय, धवाज्ययुगुंरुदय
 यमथीयंयदनेत्तयाय, यवदसन, यवसाहननसादयं, यवमविषादयादावत्तनधकं ॥ ममधत्तयायिगविमामि
 मिसांमिज्जनंयकन, यययममकहाग, देययथासंमाययुवसतधकं ॥ ममधत्तययनम, धीर्य, मरुताययन, सस

५४

७० वसमन्व, रंजलक्षयमन्वयवलिगहयिहवमकादहमन्वगयुगुंरुदय ॥ ममहकनायिद्याल्यन, कानन
 ययममासन्वयंयाय ॥ धयकारंयदाव, मन्ववनल्लालायत्तयवमावकुल, सयिन्मववन, वनांमरसधमन्व
 लागधकं ॥ मयायावगंयिहत्ताडल्लया, धनविदक्षयायकोमिकलाग, हारिमयंययाग ॥ मन्ववमादावका
 याव, विषादविषाद, वनामरमममवयावकयावमसकंथनंयवगुदवनयाद, लनवलधकं ॥ मथकमयावा
 यसासयकाहयवविषादनयमगा ॥ धयविधमंथयमादावत्तवा, कोस, धसक्रमनज्जिगिषादरुवधकं
 सन्ममन्वगुदय, विहंयकाविलायिमन्वाधमन्वयनमन्वल्मादावत्तवा, विहंयकनायययागधकं ॥ ममकय

मथनयादुनधकंपादि वचकोकृतादि वचकन चरुपाविताज्जलसोम यंला मगमिवाशानं निधमंद
 नगुं काकश्मस्या योशिकोश्चिक्कि ग्वचोविशामुनन मगन लचकन कट्टयं योवसुऊ मगमाशाथनासत्वं
 गनयोत्पादितां मगधुल्लसोम यवदावसिकय यादाव सोदधकं लययननकन मगयाक्रमस्यमवका
 दाएदनकावशादा धसववन मळ वगालगाव वशयालासनसिकरावयाव ववयारिमानधकंपा यकादं
 मळ वस्यवधनं द्युतामि पाथनऊन मळ वशोसयाकसायधकंपा वितां यलययननकास्यां सत्वं गत्वाग
 धनोमिधमसोम पाथथादि वचकनहादावितां वा वधयननकाव मळनवदाव धयकावननधकंपा ० ५

७५

सयाधहृक्षन यानियं यीला मकाव धकाद योवि वरुणाध सवयामायाव लं खलदावसिमाकसधानवनध
 कंपा लोविधं मगमयधमपाथयकारनसिद्धाद मगसववनसनधकंपा मकाकालिका आदाय यदुम
 ना मगमिधकं वलिमं पाथय मगसिद्धाद सदाव वसमायाव वीयकायाव मगयाशोमयसवनधकंपा मज्जान
 सोह वचक मागहोदनावचर सक मयंकलाद्यं यवगपाथय सववन मळ वरुणावना आवल्लसोह वं नुकाव
 दावलितासावस्यं मया सयागवादाव मळ वजरा सयस मळ वमठनद लावधकंपा मगमसनं याधमला
 काडळयय सोयिगा लवमान सववन सयीमठववसदाव डा यददावव वधकंपा यमावृत्तयाव रूमीलवकाकम

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥